पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत सरकार

महत्वपूर्ण घटनाक्रम का सारांश- अगस्त, 2024

1. **माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां**:
   अनुलग्नक-I में दी गई हैं।

2. **व्यापक अंतर मंत्रालयी विचार-विमर्श/विलंब आदि के कारण रुके हुए महत्वपूर्ण नीतिगत मामले आदि**:
   शून्य।

3. **मंत्रालय में तीन महीने से अधिक समय से लंबित "अभियोजन के लिए स्वीकृति" के मामले**:
   शून्य।

4. **ऐसे मामलों का विवरण जिसमें सरकार के कार्य व्यवहार या स्थापित नीति में छूट दी गयी है**:
   शून्य

5. **चालू स्वच्छता अभियान की स्थिति (विशेष अभियान के तहत प्रगति):**
   विशेष अभियान 3.0 के एक भाग के रूप में, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और इसके संस्थानों में अगस्त, 2024 के महीने के दौरान स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

6. **स्वायत्त निकायों के पुनर्गठन की स्थिति:**
   मंत्रिमंडल ने दिनांक 13 जुलाई, 2022 को हुई अपनी बैठक में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन 5 स्वायत्तशासी निकायों का एक स्वायत्तशासी निकाय में विलय करने के लिए अपना अनुमोदन दे दिया। 26 दिसंबर, 2023 को पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद के संगम ज्ञापन तथा नियम-विनियम के साथ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की सरकार के तहत सोसायटी के रजिस्ट्रार के कार्यालय में अम्ब्रेला स्वायत्तशासी सोसायटी 'पृथ्वी प्रणाली विज्ञान परिषद' का पंजीकरण कर दिया गया है।

7. **प्रशासन और विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए मंत्रालय द्वारा किए गए विशिष्ट उपायों के संबंध में सूचना:**
   समुद्र की सतह का तापमान और क्लोरोफिल जैसे उपग्रह से प्राप्त किए गए मापदंडों का उपयोग करके मछली पकड़ने के संभावित क्षेत्र की परामर्शिकाएं जारी की जाती हैं। इसके अलावा, अल्पावधि और मध्यम अवधि के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल सैटेलाइट के डेटा का सतत रूप से उपयोग किया जाता है।

8. **स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति की स्थिति:**

इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रालय/विभाग और उसके संगठनों के मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति (एसीसी) के दायरे में आने वाले सभी पदों का ब्योरा एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली (एवीएमएस) पर अद्यतन किया गया है और इसका ब्योरा **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

9. **ऐसे मामलों की सूची जिनमें मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन नहीं किया गया है**:

इस बात की पुष्टि की जाती है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति के निर्देशों का अनुपालन किया गया है।

10. **माह के दौरान पास कर दिए गए विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) प्रस्तावों का विवरण तथा मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन हेतु प्रतीक्षारत एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति** :

लागू नहीं।

****

अनुलग्नक-I

लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

- गुजरात, केरल, छत्तीसगढ़ और राजस्थान के छात्रों वाली चार सदस्यीय भारतीय टीम ने बीजिंग, चीन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी विज्ञान ओलंपियाड (IESO) के 17वें संस्करण में तीन प्रतियोगिता श्रेणियों में तीन स्वर्ण और एक कांस्य तथा दो रजत पदक जीते।
- पूरे देश में सितंबर 2024 के लिए मासिक वर्षा सामान्य से अधिक (दीर्घावधि औसत (LPA) का 109% से अधिक) होने की संभावना है।
- भूमध्यरेखीय प्रशांत क्षेत्र में वर्तमान में अल नीनो-दक्षिणी दोलन (ENSO) उदासीन स्थितियाँ देखी जा रही हैं। वर्तमान में, हिंद महासागर पर उदासीन हिंद महासागर द्विध्रुव (IOD) स्थितियाँ विद्यमान हैं और मानसून ऋतु की शेष अवधि के दौरान इन स्थितियों के जारी रहने की संभावना है।
- "विनाशकारी मौसम घटना 2023" पर एक मौसम मोनोग्राफ 26 अगस्त 2024 को जारी किया गया।
- आईएमडी ने दोनों एजेंसियों के बीच सहयोग और सहभागिता बढ़ाने के लिए रिलायंस फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए।
- मत्स्यन समुद्र विज्ञान अनुसंधान पोत सागर संपदा पर अंडमान सागर में किए गए जीव सर्वेक्षण से कोरल रीफ से जुड़े ब्रैच्युरन केकड़ों की समृद्ध विविधता का पता चला और चार प्रजातियों, सिंघाप्लाक्स सेरेन और सोह, 1976, कैवोपोर्टुनस गुयेन और एनजी, 2010, साइरटोकार्सिनस एनजी और चिया, 1994 और विसाएक्स मेंडोजा और एनजी, 2008 के बारे में जानकारी मिली, जो पहली बार भारतीय समुद्र में पाई गई।
- इंकॉइस ने "पृथ्वी प्रणाली के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग" विषय पर एक कार्यशाला सहित पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 कार्यक्रमों की मेजबानी की।
- इंकॉइस ने समुद्री सूचना सेवाओं, अनुसंधान और आउटरीच में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मत्स्यन निदेशालय, पश्चिम बंगाल सरकार और विद्यासागर विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- एनसीपीओआर के वैज्ञानिक, डॉ. शैलेंद्र सैनी को तीन वर्ष के कार्यकाल के लिए कॉमनैप (राष्ट्रीय अंटार्कटिक कार्यक्रम के प्रबंधकों की परिषद) की कार्यकारी समिति का उपाध्यक्ष चुना गया।
- आईआईटीएम ने आईआईटीएम अर्थ सिस्टम मॉडल (आईआईटीएम-ईएसएम) का उपयोग करके भारत से सृजित किए गए जलवायु परिवर्तन अनुमानों को प्रसारित करने के लिए जलवायु डेटा अभिलेखीय और वितरण प्रणाली (सीडीएएस) की स्थापना की।

निर्णय/अनुमोदन की आवश्यकता वाला कोई भी मामला मंत्रिमंडल के समक्ष लंबित नहीं था।

न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन;

- किसान पोर्टल और सरकारी निजी सहभागिता मोड के माध्यम से देश में एस.एम.एस और आईवीआर प्रौद्योगिकी के जरिए प्रयोक्ता समुदायों के लिए एग्रोमेट परामर्शिकाओं का प्रसारण जारी है। वर्तमान में, देश में लगभग 7.6 मिलियन किसान सीधे ही परामर्शिकांए प्राप्त कर रहे हैं।
- राज्य सरकार के अधिकारियों/ आपदा संबंधी अधिकारियों/केंद्र सरकार के संगठनों/जन सामान्य को मोबाइल के माध्यम से प्रतिकूल मौसम के बारे में एसएमएस से चेतावनियां भेजी जा रही हैं।
- राज्य प्राधिकरणों, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया सहित सभी प्रयोक्ताओं को ईमेल के माध्यम से कई शहरों के लिए चेतावनी और शहर पूर्वानुमान के साथ-साथ दैनिक पूर्वानुमान प्रसारित किये जाते हैं।

वायु मंडलीय प्रेक्षण प्रणाली नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक चालू किए गए	महीने के दौरान स्थापित।	डेटा रिपोर्टिंग।
स्वचालित मौसम स्टेशन (AWS)	1008*	--	770
स्वचालित वर्षा मापक (ARG)	1382**	--	467
एग्रो एडब्ल्यूएस	200	--	176
ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) सोंडे आधारित रेडियो सोंडे (आरएस)/रेडियो विंड (आरडब्ल्यू) स्टेशन	56	--	56
डॉपलर मौसम रडार	*** 41	--	33
ओजोन (ओजोन सोंदे+कुल ओजोन)	02	--	02
सतह ओजोन (विद्युत-रासायनिक सांद्रता सेल विधि)	09	--	05
नेफेलोमीटर	12	--	09
स्काई रेडियोमीटर	20	--	13

ब्लैक कार्बन मॉनिटरिंग सिस्टम (अथैलोमीटर)	25	--	23
वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फोरकास्टिंग एंड रिसर्च) (सफर)	10 (दिल्ली) 10 (मुंबई) 10 (अहमदाबाद)	--	10 (दिल्ली) ****शून्य (मुंबई) शून्य (अहमदाबाद)
हाइड्रोमैट (भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) एवं एडब्ल्यूएस एवं एआरजी को छोडकर अन्य विभाग)	---	--	4787
विमानन	108	--	107
रेडिएशन स्टेशन	47	---	47

* स्थापित किए गए कुल 1008 में से 238 पुराने हैं।

** स्थापित किए गए कुल 1382 में से 915 पुराने हैं।

***भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के दो डॉप्लर मौसम रडार सहित।

****फर्म के साथ अनुबंध का नवीनीकरण नहीं किया गया है।

मॉडलिंग

हर सप्ताह गुरुवार को, बारिश, सतह के तापमान और हवाओं (पूर्ण क्षेत्रों और विसंगतियों) के लिए चार सप्ताह के लिए राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र, युग्मित मॉडल आधारित विस्तृत पूर्वानुमान (ईआरपी) (i) आईएमडी के दीर्घ अवधि के पूर्वानुमान और कृषि-मौसम प्रभाग, (ii) भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM) ईआरपी समूह, (iii) अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (SAC), (iv) डिफेंस जियो-इनफोर्मेटिक्स रिसर्च एस्टेब्लिशमेंट (DGRE), (v) भारतीय वायु सेना (IAF), (vi) भारतीय नौसेना, (vii) जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (GSI), (viii) नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी (NIH), (ix) आईएमडी के सभी प्रादेशिक मौसम केंद्र और (x) बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिम्सटेक) देशों के मौसम विभागों को रियल टाइम में प्रदान किए गए । इसके अतिरिक्त, हिमपात के पूर्वानुमान रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) तथा भारतीय वायु सेना को उपयोग के लिए उपलब्ध करवाए गए। माह के

अंतिम गुरुवार अर्थात् 29 अगस्त, 2024 को सितंबर, 2024 के लिए मान्य मासिक औसत पूर्वानुमान भी प्रयोक्ताओं के लिए शामिल किए गए थे।

मासिक मौसम सारांश (अगस्त 2024)

क) माह के दौरान मौसम संबंधी महत्वपूर्ण घटनाएं

अगस्त 2024 के दौरान, भारतीय क्षेत्र में कुल छह निम्न दबाव प्रणाली बनीं। जिसमें से, एक सुचिह्नित निम्न दबाव क्षेत्र बन गया, एक अवदाब बन गया, एक गहरा अवदाब बन गया और एक अन्य चक्रवात बन गया। 31 जुलाई को गांगेय पश्चिम बंगाल पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना। इससे झारखंड, बिहार, दक्षिण उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जोरदार वर्षा हुई। 16 अगस्त 2024 को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल तथा बांग्लादेश के आसपास के इलाकों में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना। यह 30 अगस्त को कच्छ और उससे सटे पाकिस्तान तट से दूर उत्तर-पूर्व अरब सागर में एक चक्रवाती तूफान "असना" में बदल गया। 1891-2023 के दौरान अगस्त के महीने में अरब सागर में सभी चक्रवाती तूफानों के ऐतिहासिक आंकड़े दर्शाते है कि यह चक्रवाती तूफान “असना” एक कम देखी जाने वाली गतिविधि है। 1901-2021 के पिछले 123 वर्षों के ऐतिहासिक आंकड़ों से पता चलता है कि अरब सागर के ऊपर वर्ष 1944, 1964 और 1976 में कुल 3 चक्रवाती तूफान आए। इनमें से 2 उत्तरी बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के कम दबाव वाले क्षेत्र से विकसित हुए और 1 अरब सागर के ऊपर विकसित हुआ। पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी और उसके आस-पास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, 29 अगस्त, 2024 को मध्य और उससे सटे उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बना।

ख) वर्षा परिदृश्य:

अगस्त-2024 के महीने में पूरे देश में 293.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो 254.9 मिमी के इसके दीर्घावधि औसत (एलपीए) का 115% है।

ग) भारी वर्षा की घटनाएं

समयावधि जिसके लिए चेतावनी जारी की गई	**भारी / बहुत भारी वर्षा की घटनाओं की संख्या (> 64.4 मिमी): 306**
	64.4 मिमी से अधिक वर्षा के लिए प्रतिशत सुधार (% में)
दिन 1/24 घंटे	74
दिन 2/48 घंटे	70
दिन 3/72 घंटे	67

घ) तापमान परिदृश्य:

अगस्त 2024 महीने में पूरे देश के लिए औसत तापमान 27.79 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 0.45 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह 1901 के बाद से चौथा सबसे अधिक तापमान है। इस महीने के दौरान देश के मैदानी इलाकों में 23 और 30 अगस्त 2024 को पोखरण और लुंडिंग (पश्चिमी राजस्थान और असम) में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और 3 अगस्त 2024 को देहरी (बिहार) में सबसे कम न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ङ) गर्ज के साथ तूफान और ओलावृष्टि की घटनाएं:

माह के दौरान (माह की अंतिम तारीख को भारतीय मानक समय 08:30 तक) गर्ज के साथ तूफान और ओलावृष्टि की घटनाएं नीचे तालिका में दी गई हैं:

क्र.सं.	मौसम उप प्रभाग	गर्ज के साथ तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि वाले दिन	चंडवात वाले दिन	धूल भरी आंधी
1.	अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह	4	0	0	0
2.	अरुणाचल प्रदेश	7	0	0	0
3.	असम एवं मेघालय	21	0	0	0
4.	नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम एवं त्रिपुरा	17	0	0	0
5.	उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम	23	0	0	0
6.	गंगेय पश्चिम बंगाल	26	0	0	0
7.	ओडिशा	28	0	0	0
8.	झारखंड	29	0	0	0
9.	बिहार	21	0	0	0
10.	पूर्वी उत्तर प्रदेश	30	0	0	0
11.	पश्चिमी उत्तर प्रदेश	19	0	0	0
12.	उत्तराखण्ड	21	0	0	0
13.	हरियाणा चंडीगढ़ एवं दिल्ली	25	0	0	0
14.	पंजाब	18	0	0	0
15.	हिमाचल प्रदेश	23	0	0	0
16.	जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख	20	0	0	0
17.	पश्चिमी राजस्थान	21	0	0	0
18.	पूर्वी राजस्थान	20	0	0	0

क्र.सं.	मौसम उप प्रभाग	गर्ज के साथ तूफान वाले दिन	ओलावृष्टि वाले दिन	चंडवात वाले दिन	धूल भरी आंधी
19.	पश्चिमी मध्य प्रदेश	17	0	0	0
20.	पूर्वी मध्य प्रदेश	18	0	0	0
21.	गुजरात क्षेत्र	11	0	0	0
22.	सौराष्ट्र एवं कच्छ	11	0	0	0
23.	कोंकण एवं गोवा	3	0	0	0
24.	मध्य महाराष्ट्र	7	0	0	0
25.	मराठवाड़ा	0	0	0	0
26.	विदर्भ	19	0	0	0
27.	छत्तीसगढ़	29	0	0	0
28.	तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम	23	0	0	0
29.	तेलंगाना	17	0	0	0
30.	रायलसीमा	16	0	0	0
31.	तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, एवं कराईकल	23	0	0	0
32.	तटीय कर्नाटक	6	0	0	0
33.	उत्तरी आंतरिक कर्नाटक	8	0	0	0
34.	दक्षिण आंतरिक कर्नाटक	13	0	0	0
35.	केरल एवं माहे	11	0	0	0
36.	लक्षद्वीप	7	0	0	0

जारी किए गए बुलेटिन/ चेतावनी /प्रेस विज्ञप्तियां:

अखिल भारत मौसम बुलेटिन: 124 ; अखिल भारत में प्रतिकूल मौसम अनुमान और चेतावनियां: 124 ; अखिल भारत साप्ताहिक मौसम रिपोर्ट: 5; अगले 5 दिनों तक साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक: 31 ; प्रतिकूल मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम के तहत अगले 5 दिनों के लिए दैनिक प्रतिकूल मौसम दिशानिर्देश: 31, अगले 5 दिनों के लिए उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनी: 31, अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना के लिए बेड़े का पूर्वानुमान: 62, अगले 36 घंटों के लिए वैश्विक समुद्री संकट सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए बुलेटिन: 62, पश्चिमी और मध्य हिमालयी क्षेत्र के लिए जारी किए गए पर्वतीय मौसम बुलेटिन:- 62, आईटीबीपी द्वारा माउंट कामेट और माउंट अबी गामिन अभियान के लिए जारी किए गए अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन:- 31, सेना साहसिक विंग द्वारा सियाचिन ग्लेशियर ट्रेक के लिए जारी किए गए अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन:- 6, बीएसएफ द्वारा माउंट मुकुट पूर्व अभियान के लिए जारी किए गए अभियान पूर्वानुमान बुलेटिन:- 6, प्रतिकूल मौसम के लिए तत्काल पूर्वानुमान दिशानिर्देश बुलेटिन:- 31, एफडीपी तूफान बुलेटिन:- 31, वर्तमान तापमान स्थिति और लू चेतावनी बुलेटिन:- 31, माह के दौरान जारी विज्ञप्तियां:- 43, अगले 7 दिनों के लिए साइक्लोजेनेसिस पूर्वानुमान के साथ दैनिक उष्णकटिबंधीय मौसम आउटलुक: 31, गंभीर मौसम पूर्वानुमान कार्यक्रम के तहत अगले 5 दिनों के

लिए दैनिक गंभीर मौसम दिशानिर्देश: 31, अगले 5 दिनों के लिए उत्तरी हिंद महासागर में मछुआरों के लिए दैनिक चेतावनियां: 31, अगले 12 घंटों के लिए भारतीय नौसेना के लिए बेड़े का पूर्वानुमान: 62, अगले 36 घंटों के लिए वैश्विक समुद्री संकट सुरक्षा प्रणाली के तहत गहरे समुद्र में जहाजों के लिए बुलेटिन: 62

प्रकाशन और परिचालन रिपोर्टें:

1. जुलाई 2024 माह के लिए जलवायु सारांश जारी किया गया।
2. मई, जून और प्री-मानसून 2024 के लिए जलवायु निदान बुलेटिन प्रकाशित कर वेबसाइट पर अपलोड किया गया।
3. अगस्त 2024 के महीने के लिए ENSO बुलेटिन और अगस्त से नवंबर 2024 तक की अवधि के लिए दक्षिण एशिया के लिए ऋतुनिष्ठ जलवायु आउटलुक जारी किए गए।
(त्वरित लिंक: https://imdpune.gov.in/cmpg/Product/ENSO_Bulletin/ENSO_IOD_Update_Bulletin_08_24.pdf)

भूकंपविज्ञानीय प्रेक्षण नेटवर्क

प्रेक्षण का प्रकार	अब तक स्थापित	माह के दौरान डेटा रिपोर्टिंग
भूकंपी केन्द्र	157	112

भूकंप और सुनामी की निगरानी

भूकंप:
भारतीय क्षेत्र में 135 भूकंपों की निगरानी की गई, जिसमें से 6 भूकंपों की तीव्रता 5.0 से अधिक थी।

सुनामी:
इस माह के दौरान सुनामी उत्पन्न कर सकने की क्षमता वाले 3 समुद्र तलीय भूकंप (6 से अधिक तीव्रता वाले) आए।

समुद्र प्रेक्षण प्रणाली

प्लेटफॉर्म का प्रकार	माह के दौरान तक आरंभ किये गये	माह के दौरान प्राप्त डेटा
अर्गो फ्लोट्स	119	75
मूरेड उत्प्लव	19	12
टाइड गॉज	36	29
उच्च आवृत्ति (HF) राडार	10	7
एकॉस्टिक डॉपलर करंट प्रोफाइलर (ADCP)	20	17
सुनामी बुयो	7	4
वेव राइडर बुयो	16	8

समुद्र विज्ञान सेवाएँ

क्र.सं.	पूर्वानुमान के प्रकार	महीने के दौरान जारी की गई परामर्शिकाओं की संख्या
1.	एकीकृत संभावित मत्स्यन क्षेत्र (PFZ) परामर्शिका।	31
2.	टूना मछली पकड़ने की परामर्शिकाएं	7
3.	समुद्री दशा का पूर्वानुमान (OSF)-लहर, पवन, धाराएं, एसएसटी(समुद्र तल का तापमान), MLD (मिश्रित परत की गहराई) और D20 पूर्वानुमान	31
4.	रियल टाइम वैश्विक समुद्र विश्लेषण (दैनिक)	31
5.	कोरल विरंजन चेतावनी प्रणाली	11

आउटरीच एवं जागरुकता

- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यूट्यूब, फेसबुक, ट्विटर एवं आईएमडी वेबसाइट के माध्यम से अंग्रेजी एवं हिन्दी भाषा में लगभग 5 मिनट अवधि के मौसम पूर्वानुमान सम्बन्धी वीडियो प्रतिदिन जारी किए।
- वेबसाइट एवं सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब आदि) के माध्यम से प्रत्येक गुरूवार को विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (दो सप्ताह तक का) सम्बन्धी साप्ताहिक वीडियो जारी किए गए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा देशभर के अंदर पूर्वानुमानकर्ताओं द्वारा दैनिक साक्षात्कार दिए गए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा नियमित रूप से पूर्वानुमान वीडियो क्षेत्रीय भाषाओं में जारी किए गए।
- ग्राफिक युक्त बुलेटिन एवं चेतावनियां फेसबुक, ट्विटर, इंस्ट्राग्राफ, यूट्यूब समेत सोशल मीडिया एवं आईएमडी ब्लॉग पेज के माध्यम से भी जारी किए गए।
- भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 13 WMO/ESCAP पैनल सदस्य देशों में उष्णकटिबंधीय चक्रवात पूर्वानुमानकर्ताओं हेतु 20वां एनुअल अटैचमेंट ट्रेनिंग प्रशिक्षण आयोजित किया (19-30 अगस्त)। इसमें कुल 43 अन्तरराष्ट्रीय प्रतिभागी थे, इसमें 9 लोग व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए तथा भारत के प्रतिभागियों के अतिरिक्त शेष 34 लोग ऑनलाइन शामिल हुए। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य यह था कि बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर क्षेत्र में चक्रवात संबंधी प्रेक्षण, निगरानी, मॉडलिंग, पूर्वानुमान, तथा पूर्व चेतावनी सेवाओं क्षेत्र में नवीनतम विकास को समझने के माध्यम से क्षेत्र में चक्रवात पूर्वानुमानकर्ताओं का क्षमता निर्माण किया जाए।

- तमिलनाडु डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एजेंसी (TNDRRA) के प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केन्द्र (NCMRWF) में किए जा रहे अनुसंधान कार्यों से परिचित होने के लिए दिनांक 27 अगस्त 2024 को NCMRWF का दौरा किया।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय तथा इसके संस्थानों ने दिनांक 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।
- विभिन्न विद्यालयों / महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों / संस्थानों के विद्यार्थियों ने इंकॉइस और आईआईटीएम का दौरा किया।
- ITCOO-INCOIS ने 29 जुलाई से 2 अगस्त 2024 के दौरान, ''PFZ एवं प्रचालनात्मक सेवाओं" के बारे में मॉरिशस के अधिकारियों हेतु एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।
- इंकॉइस ने निम्नलिखित चेतावनियां जारी की:
    - भारत के पूर्वी एवं पश्चिमी तट, अंडमान एवं निकोबार दीप समूहों के लिए एक सौ उन्नहत्तर (169) ऊंची लहर / महातरंग महोर्मि चेतावनी / अशांत सागर चेतावनी जारी की गई।
    - हिंद महासागर के लिए (i) संख्यात्मक समुद्री पवन पूर्वानुमान (पवन और भंवर) और (ii) वैश्विक संख्यात्मक समुद्री पूर्वानुमान (धारा, सामान्य तापमान, एमएलडी और निरपेक्ष लवणता) के लिए क्षेत्रीय विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान केंद्र (RSMC) के रूप में इकत्तीस (31) दिनों के पूर्वानुमान जारी किए।
    - प्रशांत द्वीप (PI) और कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (CSC) देशों को इकतीस (31) दिनों के महासागर स्थिति पूर्वानुमान जारी किए गए।
    - इंकॉइस ने साउथ एशिया हाइड्रोमेट फोरम (SAHF), जिसका प्रशासन RIMES द्वारा किया जाता है, के लिए साप्ताहिक अपडेट्स प्रदान किए, जिसमें हिंद महासागर की समुद्री स्थिति के संबंध में विगत सप्ताह की ब्रीफिंग तथा आगामी सप्ताह में पूर्वानुमान की जानकारी (लहर, पवन, धारा, तरंग, समुद्री सतह का तापमान) शामिल हैं।
    - इकतीस (31) दिनों की एल्गल ब्लूम सूचना सेवा जारी की गई, तथा एक दिवसीय अलर्ट सृजित किया गया।
    - मेसर्स विश्व समुद्र को मुलापेटा पोर्ट की अवस्थिति के संबंध में तरंग और लहर संबंधी ओएसएफ परामर्शिका सेवाएं प्रदान की गई।

<u>प्रकाशन</u>

विषय	प्रकाशन			पीएचडी		
	अप्रैल - जुलाई 2024	**अगस्त 2024**	**कुल**	**अप्रैल - जुलाई 2024**	**अगस्त 2024**	**कुल**
वायुमण्डलीय विज्ञान	35	13	**48**	2	2	**4**
समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	25	5	**30**	1	0	**1**
ध्रुवीय विज्ञान	14	1	**15**	0	0	**0**
भूविज्ञान एवं संसाधन	11	3	**14**	6	0	**6**
कुल	**85**	**22**	**107**	**9**	**2**	**11**

<u>माह के दौरान समुद्री अनुसंधान पोतों का उपयोग</u>

जलपोत	समुद्र पर दिन / उपयोग	अनुरक्षण / निरीक्षण / वैज्ञानिक लॉजिस्टिक / क्रूज तैयारी	क्रूज की संख्या
सागर निधि	28	3	3
सागर मंजूषा	18	13	2
सागर तारा	8	23	1
सागर अन्वेषिका	9	22	1
सागर कन्या	0	31	0
सागर सम्पदा	4	27	1

<u>अनुलग्नक II</u>

एमओईएस/20/01/2017-स्था.
भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

पृथ्वी भवन, लोधी रोड
नई दिल्ली 110 003
दिनांक: 10 सितंबर, 2024

प्रमाण पत्र

(माह अगस्त 2024 के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय से संबंधित सभी पदों के संबंध में विस्तृत स्थिति अगस्त, 2024 माह के अंतिम दिन एवीएमएस पर अपडेट कर दी गई है। दिनांक 31.08.2024 को स्थिति का सार विवरण नीचे दिया गया है:-

(क)	एवीएमएस में दर्ज किए जाने हेतु अपेक्षित पदों की कुल संख्या	-13
(ख)	भरे हुए पदों की संख्या	-11
(ग)	पूर्णत: रिक्त पदों की संख्या	-01
(घ)	अतिरिक्त प्रभार व्यवस्था के अधीन पदों की संख्या	-01
(ङ)	आगामी 6 माह में रिक्त होने वाले पदों की संख्या	-00

(डी. सेंथिल पान्डियन)
संयुक्त सचिव, भारत सरकार
js@moes.nic.in